>

Title: Alleged misuse of funds allocated to Guru-Te-Gaddi Programme in Nanded in the year 2006-07 under JNNRUM and BSUB Schemes.

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे (हिंगोली): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में इस आवश्यक विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। जैसा कि सदन को ज्ञात है कि हजूर साहेब नांदेड़ देश का एक बहुत बड़ा धार्मिक स्थल है। लाखों की तादाद में सिख समुदाय के लोग गुरूद्वारे में आते हैं। भारत सरकार ने गुरू-ते-गद्दी के कार्यक्रम के दौरान सिख श्रद्धालुओं को हजूर साहेब नांदेड़ में दर्शन के लिए आने वाले लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े, इसलिए वर्ष 2006-07 के दौरान जेएनएनयूआरएम और बीएसयूबी सहित अन्य स्कीमों के तहत धनराशि आबंटित की थी। इसलिए ठेकेदारों ने सरकारी कर्मचारियों के साथ मिल कर खुलेआम दुरुपयोग किया। केन्द्र सरकार द्वारा अन्य स्कीमों के तहत दी जाने वाली राशि का भी यहां पर दुरुपयोग किया गया। मैंने कई बार सरकार से इस विषय पर शिकायत की, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि इस विषय की तुंत जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए। नांदेड़ गुरू-ते-गद्दी गुरू गोविंद सिंह जी का एक स्थल है। वहां भारत और विदेशों से सब सिख समुदाय के लोग दर्शन के लिए आते हैं। तीन सौ साल गुरुनानक, गुरु गोविंद सिंह जी के वहां पूरे होने के बाद केन्द्र सरकार ने दो हजार करोड़ रुपए की निधि नांदेड़ शहर के विकास के लिए दी थी। जब नांदेड़ शहर के अंदर सड़कें बनाई, पांच करोड़ का काम, जब उसका टेंडर कॉल हुआ, उसका आर्डर देने के बाद काम करते-करते वह पांच करोड़ का काम रिवाइज्ड करते-करते 15 करोड़ का हो गया। ब्रिज का काम हुआ, वही काम ऐसे ही रिवाइज़्ड करते-करते कम से कम दो हजार करोड़ रुपए का हो गया। वहां इतना खर्चा हुआ, दो हजार करोड़ में से कम से कम एक हजार करोड़ की निधि, ये जो कर्मचारी और वहां जो समिति है,...(व्यवधान) इन्होंने वहां जो भ्रष्टाचार किया, उसकी जांच की जाए। इसकी सीबीआई जांच की जाए, यह मैं मांग करता हूं।

MR. CHAIRMAN : Shri Hansraj G. Ahir is also associating himself with this matter raised by Shri Wankhede.